

दिनांक	आज्ञापत्र
--------	-----------

21-6-17

पञ्चावली पत्रे १। चकी-३ उलय ५३३
 संश्लेषित शीर्षक पत्रे निचा शासीन
 रहे। मेका १। का नसति पत्रे करो पत्रे
 एने ५८ जारी एने कासे २००५/१६
 १६-८-११ का पत्रे एने

16-8-17

पञ्चावली प्रस्तुत वकील अपीलत / रेसपो उपस्थित
 पीएचडी अधिकारी महोदय आज ...
 पर हुं। अतः पञ्चावली पूर्ण आज्ञानुसार दिनांक १६-८-१७
 को पत्रे हुं

११/१७

पञ्चावली प्रस्तुत वकील अपीलत / रेसपो उपस्थित,
 पीएचडी अधिकारी महोदय आज ...
 पर हुं। अतः पञ्चावली पूर्ण आज्ञानुसार दिनांक ११-१७
 को पत्रे हुं

५/१२/१७

पञ्चावली पत्रे १। चकी-३ उलय ५३३
 मेका १। का नसति ५७: पत्रे एने ५८
 जारी एने कासे २००५/१६ दिनांक ५-२-१८
 का पत्रे एने

५-२-१८

बार-बार काकाज दिलाई गइ ।
 कोमाकोट एवं कोमाकोट २ के वकील
 कोइ हाजिर नहीं कोमे। कोतः
 कोदम हाजरी एवं कोदम पत्रे की
 साबित हुने से कोमाकोट रकारिज
 की जाती है। पञ्चावली बाइ तरतीक
 तकमील दोरकक दमलव है।
 निर्णय बुझाया गया।

सुमनराज शिवाजी एवं
 पदम राजवंशी अधिकारी
 वकील